केंद्रीय बजट 2025: बिहार के लिये प्रमुख आवंटन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण 2025 में **बिहार के लिये कई परियोजनाओं की घोषणा की।**

मुख्य बिंदु

- **मखाने की खेती करने वाले किसानों को बढ़ावा:**
  - नव घोषित **मखाना बोर्ड** मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन को बढ़ाएगा।
  - **मिथिला मखाना** को 2022 में **भौगोलिक संकेत (GI) टैग** प्राप्त हुआ, जिसमें बिहार भारत के कुल उत्पादन में 80% का योगदान देता है।
  - इस पहल से **पाँच लाख से अधिक किसानों को लाभ होने की उम्मीद है,** खासकर दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, सहरसा, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल और मधेपुरा में।
- **विमानन अवसंरचना का विस्तार:**
  - बिहार में **नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे भविष्य की मांगों को पूरा करेंगे।**
  - पटना हवाई अड्डे की क्षमता विस्तार और बिहटा में ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे के विकास की भी योजना बनाई गई है।
- **शिक्षा और बुनियादी ढाँचे में निवेश:**
  - पूंजी निवेश के लिये अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जाएगी तथा बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाह्य सहायता के लिये बिहार के अनुरोध पर तेज़ी से कार्रवाई की जाएगी।
  - पूर्वी भारत के विकास के लिये पूर्वोदय पहल के अंतर्गत राष्ट्रीय **खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान** की स्थापना की जाएगी।
  - **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) पटना** के लिये छात्रावास सहित बुनियादी ढाँचे के विस्तार की योजना बनाई गई है।
- **मंदिर एवं पर्यटन विकास:**
  - बजट में **विष्णुपद और महाबोधि मंदिर कॉरिडोर** के समग्र विकास के लिये **काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर** के समान समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है।
  - नालंदा को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा तथा **नालंदा विश्वविद्यालय** को उसके ऐतिहासिक महत्त्व को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर

- **गया स्थित विष्णुपद मंदिर:**
  - यह मंदिर बिहार के गया ज़िले में फल्गु नदी के तट पर स्थित है। यह मंदिर **भगवान विष्णु** को समर्पित है।
  - **पौराणिक मान्यता:**
    - स्थानीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, **गयासुर नामक एक राक्षस ने देवताओं से प्रार्थना की** थी कि वे उसे दूसरों को मोक्ष (पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति) प्राप्त करने में सहायता करने की **शक्ति प्रदान करें।**
    - हालाँकि, इस शक्ति का दुरुपयोग करने पर भगवान विष्णु ने उसे वश में कर लिया और मंदिर में एक पदचिह्न छोड़ दिया, जिसे उस घटना का निशान माना जाता है।
  - **वास्तुकला विशेषताएँ:**
    - यह मंदिर लगभग 100 फीट ऊँचा है और इसमें 44 स्तंभ हैं जो **बड़े ग्रे ग्रेनाइट ब्लॉकों** (मुंगेर काले पत्थर) से बने हैं और **लोहे की पट्टियों से जोड़े गए हैं।**
    - अष्टकोणीय **मंदिर** पूर्व दिशा की ओर उन्मुख है।
  - **निर्माण:**
    - इसका निर्माण **1787 में महारानी अहिल्याबाई होल्कर** के आदेश पर किया गया था।
  - **सांस्कृतिक प्रथाएँ:**
    - यह मंदिर **पितृ पक्ष के दौरान विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण होता है,** जो पूर्वजों के सम्मान के लिये समर्पित अवधि है तथा बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है।

        - ब्रह्म **कल्पति ब्राह्मण,** जिन्हें गयावाल ब्राह्मण भी कहा जाता है, प्राचीन काल से ही मंदिर के पारंपरिक पुजारी रहे हैं।
- **बोधगया में महाबोधि मंदिर:**
    - ऐसा माना जाता है कि यह वह **स्थान है जहाँ [गौतम बुद्ध](#)** को महाबोधि वृक्ष के नीचे **ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।**
    - **मंदिर का निर्माण:**
        - मूल मंदिर का निर्माण **[सम्राट अशोक](#)** ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में करवाया था, जबकि वर्तमान संरचना **5वीं-6वीं शताब्दी की है।**
    - **वास्तुकला विशेषताएँ:**
        - इसमें **50 मीटर ऊँचा भव्य मंदिर (वज्रासन), पवित्र बोधि वृक्ष** और बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति के अन्य 6 पवित्र स्थल शामिल हैं।
        - यह कई प्राचीन **स्तूपों से घिरा हुआ है,** जो अच्छी तरह से अनुरक्षित हैं तथा आंतरिक, मध्य और बाहरी गोलाकार सीमाओं द्वारा संरक्षित हैं।
        - यह **गुप्त काल** के सबसे प्रारंभिक **ईंट मंदिरों में से एक है,** जिसने बाद की ईंट वास्तुकला को प्रभावित किया है।
        - वज्रासन **(हीरा सिंहासन)** मूलतः **सम्राट अशोक द्वारा उस स्थान को चिह्नित करने के लिये स्थापित किया गया था जहाँ बुद्ध बैठते थे और ध्यान करते थे।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/union-budget-2025-major-allocations-for-bihar